वार्तालाप नं.483, मुम्बई-1, दिनांक 06.01.08
Disc.CD No.483, dated 06.01.08 at Mumbai-1

समय: 00.01-01.40

जिज्ञासु- बाबा, राम की आत्मा पहले नंबर का ब्राह्मण बनती है, फिर देवता बनती है। तो फिर पहले नंबर का विशियस और शूद्र पहले नंबर में कैसे कहेंगे?

बाबा- नर्क की दुनियाँ मेरी है तो स्वर्ग की दुनियाँ भी मेरी है। ये किसके लिए बोला? मुरली में जो वाक्य आया है- स्वर्ग की दुनियाँ मेरी है तो नर्क की दुनियाँ मेरी नहीं है क्या?

जिज्ञासु- बाप के लिए।

बाबा- बाप में सारी दुनियाँ का बीज समाया हुआ है। वो देवताओं का ही बाप नहीं है। किसका बाप है? असुरों का भी बाप है।

जिज्ञासु- बाबा, कहने का मतलब मेरा ये है कि इब्राहिम की आत्मा जो है वो पहला विकार में जाती है तो.....

बाबा- वो व्यभिचार में ले जाती है। क्या? व्यभिचार में जाना ज्यादा खराब है या सिर्फ विकार में जाना ज्यादा खराब है? व्यभिचार में जाना वो रावण राज्य लाता है। अनेकों की मत पर चलना ये रावण राज्य बनाता है।

Time: 00.01-01.40

Student: Baba, Ram's soul becomes the number one Brahmin; then he becomes a deity. So, how will he be called number one vicious and number one *Shudra*?

Baba: When the world of hell is mine, the world of heaven is also mine. For whom has this been said? The sentence that has been mentioned in the Murli, 'when the world of heaven is mine, is the world of hell not mine?'

Student: For the Father.

Baba: The seed of the entire world is in the Father. He is not the Father of just the deities. Whose Father is He? He is the Father of demons as well.

Student: Baba, I mean to say that the soul of Abraham falls into lust first….

Baba: He initiates (others) into adultery. What? Is it worse to fall into adultery or is it worse to just fall into lust? Falling into adultery brings the kingdom of Ravan. Following the opinion of many makes the kingdom of Ravan.

समय:2.15- 3.25

जिज्ञासु- जो जानवर हैं। जानवरों में विवेक शक्ति बहुत कम है। सोचने की, विचारने की शक्ति। तो मनुष्य उसके साथ जो ज्यादा अत्याचार कर रहा है तो जानवरों की आत्मा किस हिसाब से उसका हिसाब-किताब पूरा करेगी?

बाबा- जानवर दुख देने के निमित्त नहीं बन जाते हैं क्या?

जिज्ञासु- बनते तो हैं बाबा। परंतु ये जो छोटे जानवर हैं....

बाबा- छोटे हों या बड़े हों। छोटा-सा कीड़ा होता है, छोटा-सा मच्छर होता है। काट लेता है

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

मलेरिया बुखार हो जाता है। कितनी तकलीफ होती है! इसीलिए जैन धर्म में कहते हैं 'अहिंसा परमोधर्म'। जीव-जंतुओं की भी हत्या नहीं करनी है। उनमें भी आत्मा है। आत्मा है या नहीं? आत्मा तो उनमें भी है। और वो है आत्माओं का बाप।

Time: 2.15-3.25
Student: There is very little power of judgment in animals. [There is very little] power to think or ponder. So, when human beings are committing so much atrocity against the animals, how will the souls of animals settle their karmic accounts with them?
Baba: Don't the animals become instruments in giving sorrow?
Student: They do become Baba. But these small animals…..
Baba: Whether they are small or big. There is a small insect. There is a small mosquito. If it bites, we suffer from malarial fever. We suffers so much. This is why it is said in Jainism – *'Ahimsa Paramodharm'* (Non-violence is the greatest religion). We should not kill the living organisms too. They also have souls. Do they have souls or not? They have souls, too. And He is the Father of souls.

समय: 3.30-7.41

जिज्ञासु- बाबा, जो शंकर-पार्वती में शंकरजी का नाम पहले क्यों आ गया? जैसे लक्ष्मी–नारायण आ गया, सीता-राम आ गया।

बाबा- सीता-राम का जो गायन है वो त्रेता का गायन है भक्तिमार्ग में या ऊँचे ते ऊँचे युग का गायन है?

जिज्ञासु- संगम का गायन है बाबा।

Time: 3.30-7.41
Student: Baba, why is the name of Shankar*ji* mentioned first in 'Shankar-Parvati'? For example, there is Lakshmi-Narayan, Sita-Ram.
Baba: In the path of bhakti, the praises of Sita-Ram pertain to the Silver Age or to the highest Age?
Student: It is the glory of the Confluence Age Baba.

बाबा- वो अधूरे पुरूषार्थ का गायन है या सम्पूर्ण स्टेज का गायन है राम-सीता? अधूरे पुरूषार्थ का गायन है। अधूरे पुरूषार्थ की प्रारब्ध भी सतयुग में मिलती है या त्रेता में मिलती है? त्रेता में मिलती है। जो सम्पन्न पुरूषार्थ है राम वाली आत्मा का। उस सम्पन्न पुरूषार्थ से सुप्रीम सोल प्रत्यक्ष होता है। तो उसे भगवान कहा जाता है। सीता देवी है या भगवान है? देवी है। तो देवियों को देवताओं से आगे रखना होता है। क्योंकि देवताओं की विजय तब ही होती है जब देवियाँ सहयोगी बनती हैं। नहीं तो जो भी देवतायें थे, नर रूप में थे। वो सब दुर्योधन दुःशासन वृत्ति वाले थे। देवियों ने ही हिम्मत की है तो उनकी हिम्मत से वो देवता बन गए। इसीलिए शंकर का नाम पहले है क्योंकि उसमें बाप भगवान प्रवेश है।

Baba: Is 'Ram-Sita' a praise of their incomplete *purusharth* (spiritual effort) or of their complete stage? The incomplete *purusharth* is praised (by the name Ram-Sita). Do we get the fruits of incomplete *purusharth* in the Golden Age or in the Silver Age? We get it in the Silver Age. The Supreme Soul is revealed through the complete *purusharth* of the soul of Ram. Then he is called *Bhagwaan*. Is Sita a *devi (female deity)* or *Bhagwan*? She is a *Devi.*

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

So, *devis* are to be placed ahead of male deities (*devata*) because the deities become victorious only when the *devis* become helpful. Otherwise, all the deities who were in a male form had an attitude of Duryodhan and Dushasan. *Devis* showed courage; so, with the help of their courage they (i.e. the Duryodhans and Dushasans) became deities. This is why Shankar's name is uttered first; …because God the Father has entered him.

सीता में बाप भगवान तो प्रवेश नहीं है लेकिन भगवान का जो आर्डर है फर्स्ट पवित्र बनो। उसको सीता ने फॉलो किया। तो भगवान का जो काम करता है उसका नाम आगे। और जिसने वो काम बादमें किया उसका नाम पीछे। सीता का नाम आगे राम का नाम बाद में। लक्ष्मी का नाम पहले नारायण का नाम बाद में। जो भी देवतायें हैं उसमें स्त्री का आगे कर दिया है। लेकिन जहाँ भगवान की बात आती है। भगवान-भगवती वहाँ शंकर का नाम आगे होता है और पार्वती का नाम पीछे हो जाता है।

God the Father has not entered Sita, but Sita followed God's first order: become pure. So, the name of the one who accomplishes God's task is placed ahead. And the name of the one who performed that task later on is placed later. Sita's name [is taken] first and Ram's name [is taken] later. Lakshmi's name [is taken] first and Narayan's name [is taken] later. Among all the deities, the female (deity) has been placed first. But when it comes to *Bhagwan*; when it is about *Bhagwan-Bhagwati*, Shankar's name comes first and Parvati's name later.

जिज्ञासु- बाबा, कई बार गौरी शंकर है ना। उसमें गौरी का नाम पहले है।

बाबा- वो है ही गौरी। जो गौरी है वो गोरी नाम पहले क्यों पड़ा? जहाँ गोरे और काले बनने की बात आती है तो कौन है पहले? गौरी तो 84 जन्मों की गौरी है कि लास्ट जन्म में भी गौरी है या काली है? लास्ट जन्म में भी एक आत्मा का ये पार्ट है कि वो व्यभिचारी कर्मेन्द्रियों से नहीं बनती। इसीलिए गौरी का नाम पवित्रता के आधार पर आगे है। शंकर को तो वैसे भी दिखाया जाता है विष पीते हैं।

Student: Baba, many a times they say Gauri-Shankar, don't they? In that Gauri's name is first.

Baba: She is anyway *gauri* (fair). Why was that name Gori placed first? When it comes to the issue of becoming fair and dark, who is first? Is Gauri fair for 84 births; or in the last birth also is she fair or is she dark? Even in the last birth, it is the part of one soul that she does not become adulterous through bodily organs. This is why Gauri's name is ahead on the basis of purity. Shankar is anyway shown to be drinking poison.

समय:12.38-13.55

जिज्ञासु- बाबा, ब्रह्मचारी, वानप्रस्थी और सन्यासी इन तीनों में समानता क्या है और फर्क क्या है?

बाबा- ब्रह्मचारी भी सन्यासी होते हैं उनको पक्का सन्यासी कहेंगे। जो घर-गृहस्थ बनाकरके सन्यास करते हैं वो हैं कच्चे सन्यासी हैं। जैसे भीष्म पितामाह कैसे सन्यासी कहेंगे? पक्के या कच्चे?

जिज्ञासु- कच्चे।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- कच्चे सन्यासी भीष्म पितामाह? भीष्म पितामाह पक्के सन्यासी। तो सन्यासियों में और ब्रह्मचारियों में ये अंतर है। और?

जिज्ञासु- वानप्रस्थी।

बाबा- वानप्रस्थी माना पूरा ही गृहस्थ जीवन बिताए लिया। और जब इन्द्रियाँ ठंी होने का समय आया तो मजबूरी से वानप्रस्थ ले लिया। तो थर्ा क्लास सन्यासी हुए या फर्स्ट क्लास और सेकण क्लास हुए? थर्ा क्लास हुए।

Time: 12.38-13.55

Student: Baba, what is the similarity and difference between *Brahmachari* (celibate by birth), *vaanprasthi* (a stage of retirement) and *sanyasi* (renunciate)?

Baba: *Brahmacharis* are also *sanyasis*; they will be called firm *sanyasis*. Those who first establish a household and then renounce it are weak *sanyasis*. For example, what kind of a *sanyasi* will Bhishma Pitamah be called? Firm or weak?

Student: Weak.

Baba: Is Bhishma Pitamah a weak *sanyasi*? Bhishma Pitamah is a firm *sanyasi*. So, this is the difference between the *sanyasis* and *Brahmacharis*. What else?

Student: *Vanprasthi.*

Baba: *Vanprasthi* means he has completed the household life. And when it is time for the organs to become calm (i.e. weak), he took retirement (from the pleasures of organs) under compulsion. So, are they third class *sanyasis* or first class or second class? They are third class [sanyasis].

समय:13.57-17.58

जिज्ञासु- बाबा, विनाश के पीरिय में। जो धर्मपितायें अपने-2 धर्मखं में प्रत्यक्ष होंगे जाकरके। तो विनाश हो जाने के बाद इतनी दूरी से फिर अपने देश में वापस कैसे आयेंगे?

बाबा- उनको वापस आने की धर्मपिताओं को क्या ज़रूरत है? वो तो आते ही हैं परमधाम से। द्वापर और कलियुग में। वो स्वर्ग में आवेंगे क्या?

जिज्ञासु- नहीं बाबा। मतलब बीजरूप आत्मायें।

बाबा- बीजरूप आत्मायें। जो बीजरूप आत्मायें हैं। वो बाप के 84 जन्म लेने वाले बच्चे हैं या कम जन्म लेने वाले बच्चे हैं? 84 जन्म लेने वालों को देवात्मा कहा जाता है या आसुरी आत्मा कहा जाता है? वो बाप के ायरेक्ट बच्चे हैं इसीलिए कोई भी विनाशी खं में हों। चतुर्थ विश्व युद्ध जब होगा और सारी पृथ्वी बर्फ से आच्छादित होगी। और दूसरे धर्म में कनवर्ट होने वाली आत्मायें जो बाप की ग्लानि के निमित्त बनती हैं, संगमयुग में भी वैसी ही शूटिंग करती हैं। इस कारण उनको सद्गुरू निंदक ठौर न पावे... भारत में उनको उस समय जगह नहीं मिलती। उन विनाशी धर्मखंों में जाकरके सेवा करेंगे। परंतु बाप ने इसका हल बताया है। याद है किसीको? नहीं याद? (किसी ने कुछ कहा।)

Time: 13.57-17.58

Student: Baba, in the period of destruction, the religious fathers will go to their religious lands and be revealed. So, after the destruction, how will they come back to their country (i.e. India) from such a distance (without any transport facility)?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Where is the need for the religious fathers to come back? They come from the Supreme Abode in the Copper Age and the Iron Age. Will they come to heaven?
Student: No Baba, I mean to say the seed form souls (of the religious fathers of different religions).
Baba: Seed form souls. Are the seed-form souls such children of the Father who take 84 births or are they children who take fewer births? Are those who take 84 births called deity souls or demoniac souls? They are the direct children of the Father; this is why they may be in any destructible land, when the fourth world war takes place, and when the entire Earth will be covered by ice, and the souls who convert to other religions become instrumental in defaming the Father and perform the same shooting in the Confluence Age. This is why as per the proverb '*satguru nindak thaur na paavey'* (the one who defame the Sadguru will not get any place)….they do not get place in India at that time. They will go to those destructible religious lands and serve. But the Father has given a solution for this. Does anyone remember? Don't you? (Someone said something).

बाबा- नहीं। बताया है कि आगे चलकरके बाबा हेलिकोप्टर भी लेंगे। और हेलिकोप्टर दुनियाँ के हर हिस्से में पहुँच सकता है कि नहीं पहुँच सकता? सारी दुनियाँ में बर्फ ही बर्फ बरपा हो जाए तो भी पहुँच सकता है या नहीं पहुँच सकता? पहुँच सकता है।
जिज्ञासु- बाबा, बोलते हैं कि ज्यादा ठंी से पेट्रोल भी जम जाता है।
बाबा- तो मशीन किस लिए होती है? और आज कल तो कैमिकल भी ऐसे निकले हैं कि ज्यादा ईंधन लगाए बिगर ज्यादा गर्मी पैदा कर देते हैं। जैसे विजय-विहार में वो बॉम्ब (बॉयलर)
लगा हुआ है। क्या? लोहे का एक बॉम्ब बनाया है उसमें पानी भरके दो लकड़ी नीचे लगाते हैं। और पानी इतनी जोर से बोईल होता है कि तीन चार मंजिलों तक ऊपर जाता है अपने आप। निलंगा में भी है। क्या ालते हैं? उसमें कुछ दो चार पुड़िया ाल देते हैं कैमिकल की। ये कोई बात नहीं कि बर्फ जमेगी तो पेट्रोल...। पेट्रोल से ही सारे काम थोड़े ही होते हैं? सौर उर्जा से काम नहीं होते क्या?
जिज्ञासु- सूरज कहाँ निकलेगा?
बाबा- सूरज निलेगा ही नहीं? अरे! सूरज भी कभी खतम होता है क्या? सूरज ही खतम हो जाएगा तो सूर्यवंशी भी खलास हो जायेंगे। फिर दुनियाँ कहाँ से आएगी नई?
Baba: No. Baba has said that in future He will buy a helicopter as well. And can a helicopter reach any part of the world or not? Even if the entire world is covered by ice, can it reach or not? It can.
Student: Baba, it is said that the petrol also freezes in extreme cold.
Baba: So, what for is the machine? And nowadays, there are such chemicals that create heat without consuming much fuel. For example, in Vijayvihar (minimadhuban) there is a 'bomb'boiler. What? There is an iron boiler; they fill it with water and place (i.e. burn) two logs of wood below it. And the water boils so forcefully that it is pumped up to three or four floors automatically. It is available in Nilanga (minimadhuban) as well. What do they add? They add two-four pouches of chemical to it. It is not a big issue that when it is freezing, then petrol (will also freeze)….. Is everything done with the help of petrol only? Aren't tasks performed with the help of solar energy?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Will the Sun rise (at that time)?
Baba: Will the Sun not rise at all? Arey! Does Sun ever perish? If the Sun itself perishes, then the *Suryavanshis* (those who belong to the Sun dynasty) will also perish. Then, how will the new world emerge?

समय: 19.20-20.17

जिज्ञासु- गीता में कहा है कि आत्मायें काटी नहीं जाती, जलाई नहीं जाती, पानी में □बोई नहीं जाती। तो सूरज पर भी आत्मायें रहती होंगी ना?

बाबा- अरे! सूरज जो है वो नीची स्टेज में है सूरज, चांद, सितारों की दुनियाँ में है या उससे ऊपर है? वो तो पाँच तत्वों के अंदर ही है। जो पाँच तत्वों की दुनियाँ है उसमें सूरज की स्टेज भी है। चांद, सितारों की भी स्टेज है लेकिन उससे भी ऊपर किसकी स्टेज है? आत्मा और परमात्मा की स्टेज है। तो आत्मायें तो उस दुनियाँ की वासी हैं जहाँ ये सूरज, चांद, सितारों का प्रकाश भी नहीं पहुँचता।

Time: 19.20-20.17
Student: It has been said in the Gita that souls cannot be cut, burnt, drowned (in water). So, there must be souls on the Sun also?
Baba: Arey! Is the Sun in a lower stage (i.e. lower section of the three worlds)? Is it in the world of the Sun, the Moon and the stars or is it above that? It is within the five elements only. The stage of Sun is within the world of the five elements. The stage of the Moon, the stars are also [within this world of five elements] . But whose stage is above that ? It is the stage of the soul and the Supreme Soul. So, the souls are residents of that world where the light of this Sun, Moon and stars does not reach.

समय:20.20-21.40

जिज्ञासु- बाबा, ब्रह्मा को नीचे तबक्के में दिखाया है और शंकर को ऊँचे तबक्के में दिखाया है। तो हमको ब्रह्माचारी बनने का लक्ष्य क्यों दिया? शंकराचारी बनने का लक्ष्य क्यों नहीं दिया?

बाबा- क्योंकि ब्रह्मा जो है वो माँ का पार्ट है। बाप जो है तुमको मार-धाड़ करना नहीं सिखा रहे हैं। क्या? लीनेन्सी का पार्ट परिवार में किसको होता है प्यार का और बच्चों के लिए मार का पार्ट किसका होता है? बाप का। तो बाप तुमको सहज रास्ता बता रहे हैं। क्या? कि सहनशीलता को धारण करेंगे तो फायदे में रहेंगे जन्म-जन्मांतर। नहीं तो बड़ा कहावना अति दुख पावना। अगर जन्म–जन्मांतर...। आत्मा की आश क्या है? क्या चाहिए आत्मा को? सुख चाहिए। हर आत्मा की आशा क्या है? सुख चाहिए। तो अगर जन्म–जन्मांतर सुख ही चाहिए। तो माँ का आचरण करो। कर्मों में ब्रह्मा को फॉलो करो। □ायरेक्शन बाप के मानो।

Time: 20.20-21.40
Student: Baba, Brahma has been shown in a lower section and Shankar in a higher section; so, why have we been given a goal to become *Brahmaachaari* (followers of Brahma)? Why haven't we been given the target to become *Shankaraachaari* (followers of Shankar)?
Baba: It is because Brahma's part is a mother's part. The Father is not teaching you to fight. What? Who plays the part of leniency, love in a family (Everyone said: the mother's) and

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

who plays the part of beating the children? The Father (beats). So, the Father is showing you the easy path. What? (He is telling you that) If you inculcate tolerance, you will reap benefits for many births. Otherwise, it will be (as said in the proverb)*'baraa ka haavna ati dukh paavnaa*[1]*'*. If, for many births….. What does a soul wish for? What does a soul want? It wants happiness. What does every soul wish for? It wants happiness. So, if you want happiness for many births then follow the mother. Follow Brahma in actions. (And) obey the directions of the Father.

समय:29.55-32.45

जिज्ञासु- बाबा, ये जो स्थूल विनाश होगा तो स्थूल विनाश के बाद हमारे सृष्टि की जो गुरुत्वाकर्षण शक्ति है वो कम होगी क्या? जो वर्तमान समय में है उससे कम होगी क्या?

बाबा- पृथ्वी के अंदर ताकत भरी हुई है अग्नि भरी हुई है या बाहर अग्नि है? अंदर अग्नि भरी हुई है। सारी ताकत अंदर है। जो अंदर से ज्वालामुखी के कारण बाहर फट पड़ती है। वो तो द्वापरयुग से छोटे-2 भूकंप हुए। द्वापर के आदि में आधा विनाश हुआ और अभी तो पूरा विनाश होना है। जो अणु जहाँ से साईकिल लगाना शुरू किया है ये 5000 वर्ष का चक्कर लगाकरके फिर उसी स्थान पर पहुँचना है। इसके लिए पूरी ही उथल-पथल होनी ज़रूरी है।

Time: 29.55-32.45

Student: Baba, will the gravitational force of our world decrease after the physical destruction? Will it decrease when compared to the present level?

Baba: Is the force or fire within the Earth or outside it? There is fire inside it. The entire power is inside. It explodes due to volcanic eruption. Small earthquakes have occurred since the Copper Age. In the beginning of the Copper Age, semi-destruction took place and now the entire destruction is to take place. Whichever atom has started its cycle from whichever place it will reach the same place after passing through the cycle of 5000 years. Complete upheaval is necessary for this.

जिज्ञासु- बाबा नई दुनियाँ आ जाएगी तो क्या हरदम दिन ही बना रह जाएगा क्या .....

बाबा- जब उत्तरी ध्रुव नार्थपोल और साउथपोल में पृथ्वी में ऐसा स्थान है जहाँ 6 महीने दिन रह सकता है तो आधा कल्प दिन नहीं हो सकता?

जिज्ञासु- रह सकता है बाबा।

बाबा- ऐसे ही होगा।

जिज्ञासु- तो दिन ही दिन रहेगा रात नहीं होगी।

बाबा- दिन ही दिन रहेगा। दिन अच्छा होता है या खराब होता है? सुख भोगते हैं तो दिन में भोगते हैं या रात मे भोगते हैं? रात में तो आत्मा सो जाती है। दिन में ही सुख भोगा जाता है। आत्मा चैतन्य है तो सुख भोगती है। जड़वत हो गई तो सुख भोगना बंद। तो 2500 वर्ष

[1] Those who are seniors or have big responsibilities also have to suffer a lot.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

देवतायें सुख ही सुख में रहेंगे। कोई प्रकार का दुख इन्द्रियाँ अनुभव नहीं करेंगी। तो वहाँ रात होगी ही नहीं ठोकर खाने के लिए।

Student: Baba, will it always be a day when the new world arrives?.....
Baba: When the North Pole and South Pole are such places on the Earth where there can be day for 6 months then can't there be day for half a cycle?
Student: There can be Baba.
Baba: It will happen just that way.
Student: So, there will be only day and no night.
Baba: There will be only day. Is day good or bad? When someone enjoys happiness does he do so in the day or in the night? The soul sleeps in the night. Happiness is experienced only in the day. When the soul is living (i.e. in a body) it enjoys happiness. When it becomes non-living, the experience of happiness stops. So, deities will enjoy happiness for 2500 years. The organs will experience no kind of sorrow. So, there will be no night to stumble.

जिज्ञासु- वहाँ कोई सोएगा नहीं है बाबा?

बाबा- वहाँ कोई थकेंगे?

जिज्ञासु- मालूम नहीं।

बाबा- मालूम नहीं। यहाँ थकते हैं।

जिज्ञासु- हाँ। थकते हैं।

बाबा- तो नींद भी होती है। अगर नींद आना यहाँ बंद हो जाए तो लोगों का क्या होगा? सारे ही हॉस्पीटलाईज़ हो जायेंगे।

जिज्ञासु- बाबा आप भी रहोगे न हमारे साथ।

बाबा- अगर हमको देवात्माओं के लिस्ट में रखेंगे तो ज़रूर रहेंगे।

Student: Will nobody sleep there Baba?
Baba: Will anyone become tired there?
Student: I don't know.
Baba: Don't you know? You become tired here.
Student: Yes. We feel tired.
Baba: So, we also sleep. What will be the condition of people if they do not get sleep? Everyone will be hospitalized.
Student: Baba, you will also be there with us, will you not be?
Baba: If you include me in the list of deity souls, I will certainly be with you.

समय:32.55-34.45

जिज्ञासु- बाबा, ये जो हिमालय है ये हमारे पूर्वी सभ्यता का बहुत बड़ा प्रतीक है। तो विनाश के बाद ज्यादा स्वरूप इसका बदलना तो नहीं चाहिए। पेपर में आया था कि बाबा जैसे इसका क्षेत्रफल 5 लाख वर्ग किलोमीटर है। तो करीब 15-20 साल में 1 ही लाख वर्ग किलोमीटर बचेगा। तो क्या विनाश के बाद क्या इसका स्वरूप ज्यादा फैल जाएगा क्या हिमालय?

बाबा- दुनियाँ का एक-एक अणु। दुनियाँ की एक-एक चैतन्य आत्मा अथवा जड़ अणु जहाँ से साईकल लगाना शुरू किया है वहीं पहुँचेगा। तो इस दुनियाँ की कोई चीज़ नई दुनियाँ में रह

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जावेगी या सब कुछ तब्दील होना है? सब चेंज हो जावेगा। ये पहाड़ कैसे बने हैं? पहाड़ों की हिस्ट्री क्या है? नहीं मालूम? क्या है? ज्वालामुखी फटते हैं और पृथ्वी अंदर का पिघला हुआ लावा बाहर फूट पड़ता है। कोई लम्बे समय तक फूटता रहता है। और कोई थोड़े समय फूटता है। तो ज्यादा ऊँचा पहाड़ कब बनता है लम्बे समय तक जो लावा फूटता रहता है ज्वालामुखी से वो बहुत ऊँचा पहाड़ बन जाता है। तो हिमालय कभी तो ऊँचा बना कि नहीं बना?

Time: 32.55-34.45

Student: Baba, these Himalayas are a very big symbol of our Eastern civilization. So, after the destruction, its form should not change much. It was mentioned in a (news) paper that it is spread over an area of 5 lakh square kilometers. So, approximately within 15-20 years only one lakh square kilometer will be left. So, will the Himalayas expand after the destruction?

Baba: Every atom of the world, every living soul of the world or non-living atom will reach the same place from where it had started the cycle; so, will anything of this world survive in the new world or will everything change? Everything will change. How were these mountains formed? What is the history of the mountains? Don't you know? What is its history? (Students said: through volcanoes) When volcanoes erupt and the molten lava inside the Earth erupts outside (they are formed). Some keep erupting for a long time and some erupt for a short period. So, when are taller mountains formed? When the lava keeps emerging from the volcano for a longer period, then it forms a very high mountain. So, did the Himalayas become lofty at some point of time or not?

समय:34.50-40.22

जिज्ञासु- बाबा, जो 84 जन्म लेते हैं उनमें ईविल सोल प्रवेश नहीं होती है?

बाबा- जो 84 जन्म लेने वाले हैं पक्के 84 जन्म या कच्चे 84 जन्म? पक्के किन्हें कहेंगे और कच्चे किन्हें कहेंगे? पक्के उन्हें कहेंगे जिनकी यादगार में रूद्रयज्ञ रचते हैं। और रूद्रयज्ञ में कितने शालिग्राम बनाते हैं? लाख शालिग्राम बनाते हैं। वो पक्की आत्मायें हैं। इस रूद्रयज्ञ की अविनाशी आत्मायें हैं। जो अविनाशी पार्ट बजाने वाली हैं। संगमयुग से ही उनका जीवन शुरू होता है। जब चाहें तब शरीर छोड़ें और जब चाहे तब शरीर में प्रवेश करें। शरीर अलग दिखाई पड़े और आत्मा अलग दिखाई पड़े। दूसरों में जब चाहे प्रवेश करें। और प्रवेश करके उनकी बुद्धि को घुमायें और घुमाने के बाद अपने शरीर में वापस आ जायें। इतनी शक्तिशाली आत्मिक स्थिति वाली आत्मायें होती हैं पक्के 84 जन्म लेने वाली। वो विधर्मियों के तोड़ने से फुसलाने से फुसलावे में नहीं आती। अपने धर्म की पक्की होती हैं।

Time: 34.50-40.22

Student: Baba, don't evil souls enter those who take 84 births?

Baba: Do those who take 84 births take 84 births completely or partially? Who will be said to have taken 84 births completely (*pakkey*) and who will be said to have taken 84 births incompletely (*kachchey*)? The firm ones are those in whose memory the *Rudra yagya* are organized. And how many *shaligrams* are prepared in the *Rudra yagya*? One lakh *shaligrams* are prepared. They are the firm souls. They are the imperishable souls of the *Rudra yagya* who play an imperishable part. Their life begins from the Confluence Age itself. They should be able to leave their body whenever they wish and enter the body whenever they wish. The body should appear separate and the soul should appear separate. They should be able to

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

enter others whenever they wish. And they should be able to turn their intellect after entering them and after turning their intellect they should be able to return to their body. Those who take 84 births completely are souls with such powerful soul conscious stage. They are not misled by the *vidharmis*[2]. They are firm in their religion.

तो यहाँ भी जो विनाश की विभीषिका है उनके 84 जन्मों में से कम नहीं कर सकती। अगर कम कर दे तो राधा-कृष्ण के कैटेगरी की हो जावेंगी माना छिलके वाली आत्मा ऐसी हो जावेंगी जिनका छिलका विधर्मियों का छिलका बन जाता है। बीजरूप आत्माओं में भी सब एक जैसी नहीं हैं। भल 84 जन्म लेने वाली हैं। राम-कृष्ण की आत्मायें और उनसे जो संगी-साथी आत्मायें होंगी वो भी 84 जन्म लेती हैं। परंतु वो चंद्रवंश की पक्की है। राधा-कृष्ण जैसे बच्चों को जन्म देने वाली आत्माओं को भी सब एक धर्म की नहीं हैं। कोई चंद्रवंश की पक्की हैं। कोई और-2 धर्मों की पक्की हैं। सूर्यवंश के तो बहुत थोड़े हैं।

So, even here, the fire of destruction cannot decrease (the duration of) their 84 births. If it decreases, then they will be included in the category of Radha and Krishna, i.e. they will become such souls who develop peels which are the peel of *vidharmis*. Even among the seed-form souls everyone is not alike although they take 84 births. The souls of Ram and Krishna and their friendly souls also take 84 births, but they are firm in the Moon dynasty. The souls which give birth to children like Radha and Krishna do not belong to one religion. Some are firm in the Moon dynasty. Some are firm in other religions. There are very few who belong to the Sun dynasty.

जिज्ञासु- बाबा, जो ईविल सोल है ना वो कमजोर आत्माओं में प्रवेश करती हैं ना।

बाबा- उस कमजोर आत्मा ने पूर्व जन्म में उसका संग किया है जैसे कोई कन्या पति का संग करती है तो संग में आधीन होते-2 आधीन होने के संस्कार बन जाते हैं। ऐसे ही है वो हिसाब-किताब बन जाता है।

जिज्ञासु- पाप का जो बोझा है वो ईविल सोल के ऊपर आता है या नहीं?

बाबा- जिसको शरीर होगा उसको पाप-पुण्य लगेगा या जिसका अपना शरीर ही नहीं है उसको पाप-पुण्य लगेगा? वो ईविल सोल बनती ही इसीलिए हैं कि उनके पापों का बोझा ज्यादा न बढ़ जाए। ऐसा न हो कि उनका पापों का बोझा बढ़ते-2 जो दुनियाँ के विनाश की लास्ट स्टेज है वहाँ तक पहुँच जाए। इसीलिए थोड़े समय तक उनको शरीर नहीं मिलता। कोई दूसरे शरीर में प्रवेश करके पाप करती रहती हैं।

Student: Baba, the evil souls enter weak souls, don't they?

Baba: That weak soul has been in its company in the past birth; just as a virgin remains in the company of the husband and while remaining in his company, she develops the *sanskars* of being a subordinate. Similarly those karmic accounts are created (between the evil souls and the weak souls in whose body they enter).

Student: Does an evil soul accumulate the burden of sins or not?

[2] Those who follow a religion opposite to that of the Father's religion

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Does someone who has a body accumulate sins (*paap*) and charity (*punya*) or will someone who does not have a body at all accumulate sins and charity? They become evil souls only because they should not accumulate more burdens of sins. It should not happen that their burden of sins continues till the last stage of the destruction of the world. This is why they do not get a body for some time. They enter some other body and keep committing sins.

जिज्ञासु- पाप का बोझा किसके ऊपर चढ़ता है?

बाबा- शरीरधारी के ऊपर।

जिज्ञासु- उनका कैसा हिसाब-किताब?

बाबा- पूर्व जन्म में बंधा। उसको आमंत्रण किसने दिया कि तुम हमारे ऊपर सवार हो जाओ? यहाँ भी बाबा के बनते हैं। समाज की नज़रों मे धोखा देते हैं कि हम बाबा के बन गए। फिर औरों को आमंत्रण देते हैं हमारे ऊपर सवार हो जाओ। तो कौनसे धर्म के बीज बनेंगे? विधर्मियों के बीज बनेंगे। विधर्मियों के साथ हिसाब-किताब जोड़ने का फाऊन्डेशन अभी डाल रहे हैं।

Student: Who accumulates burden of [those] sins?
Baba: The bodily being.
Student: How did they develop the karmic accounts?
Baba: They made it in the past births. Who invited it (i.e. the evil soul) saying, 'come and ride on me'? Even here souls become Baba's children. They deceive the eyes of the society saying that they have become Baba's children. Then they invite others to ride on them (they remain influenced by them). So, they will become seeds of which religion? They will become the seeds of *vidharmis*? They are laying the foundation of making karmic accounts with the *vidharmis* now itself.

समय: 40.27-44.00

जिज्ञासु- बाबा, ब्रह्माजी ने ज्यादा जन्म-मरण के चक्र लिए ऐसे क्यों बताया? क्योंकि ब्रह्मा बाबा भी तो 84 के चक्र में जन्म लेते हैं प्रजापिता और जो सूर्यवंशी आत्मायें हैं वो भी तो 84 जन्म लेते हैं। फिर ब्रह्मा ज्यादा जन्म-मरण के चक्र में आता है ऐसे क्यों बताया?

बाबा- जन्म-मरण के चक्र में आने का बेहद का अर्थ है निश्चय और अनिश्चय। जो आत्मा कमजोर हो जाती है वो ज्यादा प्रभावित होती है या जो पावरफुल आत्मा होती है वो ज्यादा प्रभावित होती है? कमजोर हो जाती है। आज भारत की मातायें, कन्यायें, कुमार और अधरकुमार। इनमें सबसे जास्ती कमजोर कौन हो गया?

जिज्ञासु- मातायें।

बाबा- क्यों हो गई? क्योंकि प्रभावित हो जाती हैं। ऐसे ही ब्रह्मा की आत्मा चंद्रवंशियों से, इस्लामवंशियों से। सारे जगत की आम्बा है ना।

जिज्ञासु- बाबा, ज्यादा जन्म-मरण के चक्र में बताया है।

Time: 40.27-44.00

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, why has it been said that Brahmaji passes through the cycle of birth and death more (than others)? Because Brahma Baba also takes 84 births; Prajapita and the *Suryavanshi* souls also take 84 births. Then why has it been said that Brahma passes through the cycle of birth and death more than others?
Baba: The meaning of passing through the cycle of birth and death in an unlimited sense is faith and faithlessness. Does a soul, which becomes weak become influenced (by others) more or does a powerful soul become influenced more (by others)? The weak souls are influenced (more by others). Among today's mothers, virgins, *kumars* (unmarried men) and *adharkumars* (married men) of India; who has become the weakest?
Student: Mothers.
Baba: Why did they become (the weakest ones)? It is because they become influenced; similarly, the soul of Brahma is influenced by the *Chandravanshis, Islamvanshis*. She is the mother of the entire world, isn't she?
Student: Baba, he is said to pass through the cycle of birth and death more (than others).

बाबा- सुनो तो। पूरा जवाब तो दे लेने दो। सारे जगत की जो आत्मायें हैं दूसरे-2 धर्म की उनसे प्रभावित होने वाली आत्मा है। जैसे परिवार में मातायें मोह के कारण चाहे छोटा बच्चा हो, चाहे बड़ा बच्चा हो उसके मोह में बंध जाती हैं तो प्रभावित होती रहती हैं। ऐसे ही ब्रह्मा की सोल यज्ञ के आदि से ही अनेका-नेक धर्म के बच्चों से प्रभावित होती रही और कमजोर होती रही। अगर उस पहली माता का उद्धार हो जाए, वो प्रभाव से परे हो जाए तो भारत की सब मातायें प्रभाव से परे हो जायेंगी या नहीं? हो जायेंगी। इसीलिए माता की आदत होती है मोह के कारण कि ये बच्चे मेरे हैं माना पति मेरा नहीं है उतना। ज्यादा असर किसका बैठा हुआ है? बच्चों का ज्यादा असर बैठा हुआ है। मेरे बच्चे बहुत कुछ करके दिखायेंगे। तो जो रचयता है उसके ऊपर अनिश्चय बैठ गया ना।
Baba: First listen. Let me complete my reply. It is a soul which is influenced by the souls of other religions of the entire world. For example, in a family, because of attachment, whether it is a younger child or an elder child, a mother is bound by attachment for him; so, she keeps being influenced. Similarly, the soul of Brahma continued to be influenced by the children of numerous religions from the beginning of the *yagya* itself and continued to become weak. If that first mother is uplifted, if she comes out of the spell of influence, then, will all the mothers of India become free from influence or not? They will. This is why a mother is habituated due to attachment that these children are mine, i.e. the husband is not mine to that extent. Under whose influence is she more? There is more influence of the children. [She thinks] My children will do many things and prove themselves. So, she lost faith on the creator, didn't she?

जब रचयता बाप के ऊपर अनिश्चय बैठता है तो उस अनिश्चय बैठने की परिक्रिया में सबसे ज्यादा आगे कौन जाती हैं? कन्यायें, मातायें, कुमार या अधरकुमार? मातायें जाती हैं। उस प्रभाव से प्रभावित होने के कारण आत्मा ज्यादा कमजोर बन गई। नहीं तो साधारण-2 ज्ञान के प्वाईन्ट एवान्स पार्टी में सभी बच्चों की समझ में आ रही है कि गीता का भगवान कौन। दादा लेखराज गीता का साकार भगवान नहीं है। साधारण-2 समझ में आ रहा है ना। उनकी समझ में क्यों नहीं आ रहा है? क्यों नहीं आ रहा है? मोह का कारण है।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

When she loses faith on the creator, the Father; so, in the process of losing faith, who goes ahead of everyone? Virgins, mothers, *kumars* or *adharkumars*? The mothers (go ahead of everyone in losing faith on the Father). The soul became weaker under that influence. Otherwise, all the children of the advance party understand the simple points of knowledge, as to who is the God of the Gita. Dada Lekhraj is not the corporeal God of the Gita. You understand in a simple way, don't you? Why doesn't he understand? Why doesn't he understand? The reason is attachment.

समय:44.05-45.10

जिज्ञासु- बाबा, मुरली में आया है कि गीता में कृष्ण का नाम □ालने से भगवान को सर्वव्यापी माना गया है। गीता में कृष्ण का नाम □ालने से सर्वव्यापी मानना ये बात आपस में कैसे मिलती है?

बाबा- कृष्ण आत्मा है या सुप्रीम सोल है?

जिज्ञासु- आत्मा।

बाबा- जब एक आत्मा ऐसी स्टेज में पहुँचेगी और ऐसे कर्म करेगी, ऐसी वाचा बोलेगी, ऐसी दृष्टि पसारेगी कि मैं गीता का भगवान हूँ, मैं भगवान हूँ। तो मुझे देख और कर्म करेंगे या नहीं करेंगे? करेंगे। वो पहली आत्मा है जिसके पतित बनने से सब पतित बन जाते हैं और उसके पावन बनने से सब पावन बन जाते हैं। ये सारी मनुष्य सृष्टि का पहला पत्ता है जिसको ऊँची स्टेज में ले जाने की जिम्मेवारी उसके बाप की है।

Time: 44.05-45.10
Student: Baba, it has been mentioned in the Murli that God is considered to be omnipresent because of inserting the name of Krishna in the Gita. What is the connection of the belief that God is omnipresent with the insertion of Krishna's name in the Gita?
Baba: Is Krishna a soul or a supreme soul?
Student: He is a soul.
Baba: When one soul reaches such a stage and when it acts in such a way, when he speaks and sees as if it is God of the Gita, as if it is God, then won't others act like him? They will. He is the first soul, when he becomes sinful everyone becomes sinful and when he becomes pure everyone becomes pure. He is the first leaf of the entire human world; the responsibility of taking him to a high stage lies with his Father.

समय: 45.15-46.16

जिज्ञासु- बाबा, ये जो लक्ष्मी-नारायण का चित्र जो है उसमें समझाया था कि राधे-कृष्ण उनके बच्चे हैं। लेकिन यहाँ कृष्ण के पैर टे□□दिखाए गए हैं। और एक मुरली में आया है कि इसका जवाब दूसरा दिया है संगमयुगी कृष्ण की बात है। तो वो हिसाब लागू होता है क्या चित्र में।

बाबा- संगमयुगी कृष्ण जो है वो जीवन में □ांस करता हुआ होगा, खुशी की □ांस करता हुआ करेगा या रोता हुआ होगा?

जिज्ञासु- □ांस करेगा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- तो □ांस करते समय पाँव और हाथ टेढ़े-मेढ़े नहीं किए जाते हैं क्या? समझने वाले समझेंगे कि ये तो ज्ञान □ांस हो रहा है जो इस ज्ञान □ांस को नहीं समझेंगे वो उल्टा भी समझ सकते हैं। अरे! संगमयुगी जो कृष्ण होगा वो सुखधाम में अपने को महसूस करेगा या दुखधाम में महसूस करेगा? सुखधाम में होगा।

Time: 45.15-46.16
Student: Baba, in this picture of Lakshmi-Narayan, it was explained that Radha-Krishna are their children. But here Krishna's legs have been shown to be crossed. And a different reply has been given in a *Murli* that it is about the Confluence Age Krishna. Does it apply to the picture?
Baba: Will the Confluence Age Krishna dance, will he dance joyfully in his life or will he cry?
Student: He will dance.
Baba: So, while dancing, are the legs not crossed or inclined? Those who can understand will understand that the dance of knowledge is going on; those who do not understand this dance of knowledge can take it in an opposite way. Arey! Will the Confluence Age Krishna feel himself to be living in an abode of joy or in an abode of sorrow? He will be in an abode of happiness.

समय: 46.20-57.30
जिज्ञासु- बाबा, मुरली में सर्प का मिसाल बताया है। जैसे साँप होता है उसको खल आ जाती है तो उसको दिखता नहीं है। वैसे ही आत्मा की स्टेजस होती है। नम्बर ऑफ स्टेजस होती है वो ज़रा स्पष्टीकरण कीजिए।
बाबा- कंचन-काया बनने वाली जो बात है वो सर्प का मिसाल दिया हुआ है। कि सर्प अपने जीवन में तीन-चार बार खल त्याग करता है। और जब-2 वो खल त्याग करता है तो आखरीन वो अंधा हो जाता है। ये बात चार बार की शूटिंग से कनेक्टे□ है। क्या? जो भी आत्मायें ज्ञान में आती हैं वो कितनी अवस्थाओं से गुजरती हैं? पहले सतोप्रधान फिर सतोसामान्य फिर रजो और तमो। तो कृष्ण वाली आत्मा भी.....। पहले तो कंचन-काया किसकी बनी? किसकी बनेगी? संगमयुगी कृष्ण की। तो जो संगमयुगी कृष्ण है, वो अपने को पहले सतो प्रधान बना देगा या बच्चों को पहले सतोप्रधान बनाएगा?
जिज्ञासु- खुद बनेगा।
Time: 46.20-57.30
Student: Baba, an example of snake has been given in the Murlis. For example, when a snake develops [sheds its] skin, it is not able to see. Similarly, there are stages of a soul. There are a *number of stages*; kindly clarify that.
Baba: As regards becoming *kanchankaya* (a rejuvenated body), the example of a snake has been given. A snake sheds its skin three-four times in its life. And whenever it sheds its skin, it ultimately becomes blind. This is connected to the shooting that takes place four times. What? Souls which enter the path of knowledge pass through how many stages? First

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

satopradhan, then *satosaamaanya*, then *rajo*, and then *tamo*[3]. So, the soul of Krishna also..... Who achieved *kanchankaya* first of all? Who will achieve it? The Confluence Age Krishna; so will the Confluence Age Krishna make himself *satopradhan* first or will he make the children *satopradhan* first?

बाबा- खुद बनेगा? बाप पहले परिवार में जो आग लगी, घर में आग लगी है उसमें से निकलके भाग जाएगा कि पहले बच्चों को निकालेगा? पहले तो बच्चों को निकालेगा। बच्चों में पहला बच्चा है कृष्ण। तो कृष्ण वाली आत्मा हो, पहला पत्ता हो या इस सृष्टि का लास्ट पत्ता हो। जो जिस्मानी बाप है इस मनुष्य सृष्टि का वो तो सबका बाप है कि पहले पत्ते का ही बाप है? सबका बाप है। इसलिए जब तक इस सृष्टि का आखरी पत्ता भी पवित्र आत्मा नहीं बन जाता है तब तक वो नीचे की दुनियाँ में रहेगा, पतित दुनियाँ में बच्चों के साथ पार्ट बजाएगा या पावन बनकरके ऊपर चला जाएगा? पतित दुनियाँ में ही पार्ट बजाएगा।

Baba: Will he become himself? If the family has been set on fire, if the house has been set on fire, will the father come out of it and run away or will he pull out the children first? First he will pull out the children. Among the children, the first child is Krishna. So, whether it is the soul of Krishna, whether it is the first leaf or the last leaf of this world; the physical father of this human world is the father of everyone or only of the first leaf? He is everybody's father. This is why until the last leaf of this world has not become pure, will he be in the lower world, will he play a part with the children in the sinful world or will he become pure and go up (to the soul world)? He will play a part in the sinful world itself.

इसीलिए उस आत्मा का ये पार्ट है जो बच्चों का भी पार्ट है बाप समान बच्चों का। क्या? कि जब शूटिंग पिरियड होता है तो उस शूटिंग पिरियड में जानते हुए भी, मानते हुए भी। फिर भी क्या अंतर पड़ता है? कि बाप जो है सुप्रीम सोल बाप बार-2 कहता है। क्या कहता? अमृत छोड़ विख काहे को खाए। ये सिर्फ एक बच्चे को कहता है या फिर और भी बच्चे हैं? जिनके लिए मना किया हुआ है कि शंकर को फॉलो नहीं करो अगर शंकर को फॉलो करेंगे तो क्या होगा? नीचे गिरेंगे।

This is why it is the part of that soul; it is also the part of children, the children who are equal to the Father(*bapsamaan*). What? When it is the shooting period, in that shooting period, despite knowing, despite accepting….. what is the difference? The Father, the Supreme Soul Father tells us repeatedly. What does He say? Why do you leave nectar and eat(drink) poison? Does He tell this only to one child or does He also have any other children who have been asked not to follow Shankar; what will happen if they follow Shankar? They will fall down.

एक को छोड़ दिया जिसको ऊँचे तबक्के में बैठाया हुआ है। क्योंकि उस एक में तो क्या विशेषता है? सुप्रीम सोल प्रवेश करता है। वो सारी जिम्मेवारी उसकी है। तो एक अंधा हो

[3] The four phases through which everything in the world passes; satopradhan: consisting mainly in the quality of goodness and purity, satosamanya: consists of ordinary purity and goodness, rajo: dominated by the quality of activity and passion, tamopradhan: dominated by darkness or ignorance.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जाए या अंधा करके सारी दुनियाँ को दिखाए तो वो कोई बड़ी बात नहीं। कि काम विकार में अंधा हो गया। अंधा होकर दिखाता है या अंधा है? मुरली में बोला है बाप विदेशी बनकरके आए हैं। विदेशी बनकरके आए हैं या विदेशी हैं, व्यभिचारी? बाप विदेशी व्यभिचारी नहीं है। लेकिन बच्चों से मिलना है सबसे। नम्बरवार बच्चे मिलेंगे। ये ज़रूरी है अगर नहीं मिलेंगे तो परिवर्तन नहीं होगा।

One has been left out; he has been shown sitting in a higher level because… what is his specialty? The Supreme Soul enters him. The entire responsibility is His (Supreme Soul's). So, if that 'one' becomes blind or acts like a blind person and shows to the entire world it is not a big issue…that he has become blind in lust. Does he act like a blind one or is he (actually) blind? It has been said in the Murli that the Father has come in the form of a foreigner. Has he come like a foreigner or is he (actually) a foreigner (*videshi*), adulterer (*vyabhichaari*)? The father is not a foreigner, adulterer. But he has to meet all the children number wise. He will meet the children number wise. It is important; if he does not meet them, then the transformation will not take place.

जैसे अनेकों का संग का रंग लगा है तो पतित, व्यभिचारी बने हैं। ऐसे ही नम्बरवार एक का संग का रंग लगेगा तो पावन बनेंगे। इसीलिए ये ड्रामाबाजी है । क्या? कि बाप है तो पुरूषोत्तम। राम वाली आत्मा है। गायन भी है। क्या? मर्यादा पुरूषोत्तम राम। लेकिन बुद्धियोग से एकाग्र है। शरीर से उसको वो पार्ट बजाना ही बजाना है अंत तक। इसीलिए संगमयुग में प्रैक्टिकल पार्ट जो है पुरूषोत्तम का सीता वाली आत्मा बजाती है। अभी प्रैक्टिकल में बजाए रही है या नहीं बजाए रही है? बजाए रही है। और उसका गायन त्रेतायुग का होगा। क्योंकि वो आत्मा त्रेता में जन्म लेते-2 पहुँचेगी। तो पहले जन्म में पुरूष बनेगी। तो भक्तिमार्ग में जो नाम दिया हुआ है राम त्रेता में पुरूषोत्तम थे। वास्तव में पुरूषों में उत्तम ते उत्तम पार्ट बजाने वाली आत्मा त्रेता में होगी या सतयुग के आदि में होगी? सतयुग के आदि में होती है।

For example, we have become sinful, adulterers by being colored by the company of many. Similarly, if we are number wise coloured by the company of one, we will become pure. For this reason, this is a drama being enacted (*dramabaazi*). What? The Father is *purushottam* (highest among all human beings). He is the soul of Ram. He is also glorified. What? *Maryada purushottam* (highest among all human beings in following the code of conduct) Ram. And he is focused through his intellect. He has to play that part through the body till the end. This is why the part of *purushottam* is played in practical by the soul of Sita in the Confluence Age. Is she playing that part in practical now or not? She is. And her glory pertains to the Silver Age because when that soul reaches the Silver Age after taking many births, it will become a male in the first birth. So, the name mentioned in the path of *bhakti* that Ram was *purushottam*; actually, will the soul which plays the part of highest among the human beings exist in the Silver Age or in the beginning of the Golden Age? It exists in the beginning of the Golden Age.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

तो ये ड्रामा बना हुआ है कि जो भी साँप के मिसल पार्ट बजाने वाली आत्मायें हैं एक साँप ही ऐसा प्राणी होता है जो विषय वैतरणी नदी हो और तेज धार भी बह रही हो। तो वो उस तेज धार को क्रॉस करके ऊपर चढ़ता है। और कोई प्राणी ऐसा नहीं है जो उस विषय वैतरणी की तेज धार में नदी को क्रॉस कर सके।

So, it is drama that among all the souls which play a snake-like part; snake is the only animal which even if it is the river of lust (*vishay vaitarni*) and even if it is surging, it crosses that fast flow and swims upstream. There is no other animal like this which can cross the surging river of lust.

जिज्ञासु- माया मगरमच्छ को भी बाबा बताए थे एक बार आप।

बाबा- क्या?

जिज्ञासु- माया मगरमच्छ भी पानी में टेढ़ा चलता है। और साँप को बताया है। ये दोनों धारा में उल्टा चलते हैं।

बाबा- हाँ जी।

जिज्ञासु- तो ये माया मगरमच्छ भी तो है बाबा ना।

Student: Baba, you had once mentioned about the crocodile maya as well.
Baba: What?
Student: The crocodile maya also swims in an inclined way in the water. And it has been said so about the snake as well. Both of them swim against the flow of the water.
Baba: Yes.
Student: So, there is also a crocodile maya, isn't it Baba?

बाबा- बाप का पार्ट बताया है अ□भंगा। कैसा पार्ट बताया है? अ□भंगा पार्ट। और माया भी अ□भंगी है या नहीं है? वो भी अ□भंगी है समझ में नहीं आता बच्चों को। और महाकाली भी अ□भंगी पार्ट बजाने वाली है। सब कोई समझ नहीं सकता कि महाकाली जो पार्ट बजाती है उसका बुद्धियोग जिसके साथ पार्ट बजाती है अटैचमेन्ट में आता है या नहीं आता है?

जिज्ञासु- आता है।

बाबा- आता है?

जिज्ञासु- नहीं जिसके साथ... नहीं वो तो नहीं आएगा।

Baba: The Father's part is said to be strange (*adbhanga*). What kind of a part is it? A strange (*Adbhanga*) part. And is maya also strange (*adbhangi*) or not? She is also *adbhangi*; children do not understand it. And Mahakali also plays an *adbhangi* part. Everyone cannot understand the part that Mahakali plays; is her intellect attracted to the one with whom she plays a part?
Student: It does.
Baba: Does it?
Student: No, with whom….no, he will not come (in her intellect).

बाबा- जैसे शंकर के मस्तक पर चंद्रमा दिखाते हैं। वैसे ही महाकाली के मस्तक पर भी चंद्रमा दिखाते हैं। अभी उमंग उत्साह बढ़ाने वाली आत्मा कौन होती है महाकाल और

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

महाकाली के अंदर? कृष्ण की आत्मा है। उससे उत्तम और कोई आत्मा है ब्राह्मणों की दुनियाँ में जिसने श्रेष्ठ पार्ट बजाया हो? तो ऐसी श्रेष्ठ आत्मा वो बीजरूप आत्माओं के संसर्ग संपर्क में आकरके निगेटीव और पोज़िटिव दोनों का पार्ट बजाती है। और शिवबाबा □ायरेक्टर बनकरके चलाए रहा है, देख रहा है। इसीलिए विष्णु चतर्भुज में एक भुजा ऐसी भी है जो कमल फूल के समान पार्ट बजाने वाली है। वो कमल फूल के समान पार्ट बजाने वाली आत्मा ओमराधे मम्मा की होगी या लक्ष्मी की होगी या ब्रह्मा की होगी या जगतम्बा की होगी? जगतम्बा ही है जो कमल फूल समान पार्ट बजाने वालों में अव्वल नम्बर है। क्योंकि ऐसा पार्ट बजाने वालों का जो सरताज है उसने उसका सबसे जास्ती संग का रंग लिया है।

Baba: For example, Moon is shown on the forehead of Shankar. Similarly, Moon is shown on the forehead of Mahakali as well. Which soul increases the zeal and enthusiasm, in Mahakaal and Mahakaali now? The soul of Krishna. Is there anyone else who played such a righteous role in the world of Brahmins? So, such a righteous soul plays a negative as well as positive part after coming in contact with the seed-form souls. And like a director Shivbaba is making them act and [He is] watching them. This is why there is also one such arm in Vishnu *Chaturbhuj* (four-armed) who plays a part like a lotus flower. Will that soul playing a part like the lotus flower be that of Om Radhey Mamma or of Lakshmi or of Brahma or of Jagdamba? It is Jagadamba who is number one among those who play a part like lotus flower because more than anyone else she has been colored by the company of the head (*sartaaj*) of those who have played such a role.

किसने प्रश्न किया था। साँप खल छोड़ते समय अंधा क्यों हो जाता है समझ में आ गया । अभी शूटिंग चल रही है। शूटिंग पिरिय□ में जो भी दुनियाँ की बड़े ते बड़ी विषैली आत्मायें हैं सबसे जास्ती कौनसे प्राणी में होता है? साँप में। तो वो बीजरूप आत्मायें इस समय ऐसा पार्ट बजाती हैं। शूटिंग पीरिय□ में पहले सतोप्रधान और बात में तमोप्रधान पार्ट बजाते हैं। तो कोई क्रोधांध होते हैं, कोई लोभांध होते हैं, कोई मोहांध होते हैं और कोई कामांध होते हैं। तो काम विकार में जब अंधे होने का पार्ट बजायेंगे तो अति में पहुँचने के बाद फिर अंत होगा या नहीं होगा? अंत होगा।

Who had raised the question? Did you understand why a snake becomes blind while shedding its skin? The shooting is going on now. In the shooting period…, which animal is most poisonous among the more poisonous souls of the world? The snake. So, those seed-form souls play such a part now. They initially play a *satopradhan* part and later a *tamopradhan* part in the shooting period. So, some are blind in anger, some are blind in greed, some are blind in attachment and some are blind in lust. So, when they play a part of becoming blind in lust, then will there be an end after reaching the extremity or not? There will be an end.

समय:57.35-1.03.22

जिज्ञासु- बाबा, बाबा ने मुरली में बताया है। कि जिसने बाप को पहचाना उसके मन में एक भी प्रश्न नहीं आएगा बाप को पूछने के लिए। फिर दूसरी बार ऐसे भी बताया है कि यदि

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बच्चों को प्रश्न है तो प्रश्न पूछने चाहिए। नहीं तो मन में मूँझते रहेंगे। तो इसका मतलब क्या है बाबा?

बाबा- क्यों मतलब क्यों नहीं समझ में आया?

जिज्ञासु- प्रश्न पूछना है कि नहीं पूछना है हमको।

बाबा- कोई ओरिजनल है, कोई ओरिजनल नहीं है, कोई से प्रभावित है। तो पूछना नहीं चाहिए? अंदर कचड़ा रखना चाहिए क्या?

Time: 57.35-01.03.22
Student: Baba, Baba has said in a Murli that the one who has recognized the Father will have no questions in his mind to ask the Father. Then on the other hand it has also been said that if children have questions, they should ask. Otherwise, they will continue to remain confused in their mind. So, what does it mean Baba?
Baba: Why did you not understand the meaning?
Student: Should we raise questions or not?
Baba: Someone is *original* (actually like that) and someone else is not *original*; if he is under the influence of someone, then should he not ask? Should he keep the garbage inside?

जिज्ञासु- तो फिर इसका मतलब तो ये है ना जिसने बाप को नहीं पहचाना। वो फिर प्रश्न करते हैं आपसे।

बाबा- जिसने बाप को पहचान लिया वो क्यों प्रश्न करेगा?

जिज्ञासु- इसका मतलब हमने नहीं पहचाना।

बाबा- अरे कुछ न कुछ गड़बड़ी है ना। बाप के साथ समान रूप में संस्कार मिले या नहीं मिले? बाप समान पुरूषार्थी बने या नहीं बने?

जिज्ञासु- नहीं बने।

बाबा- नहीं बने तभी तो पूछते हैं।

जिज्ञासु- कोई नहीं बना है।
Student: So, this will mean that those who ask questions to you have not recognized the Father, won't it?
Baba: Why will the one who has recognized the Father raise questions?
Student: It means that I have not recognized [the Father].
Baba: Arey, something or the other is wrong, isn't it? Did your *sanskar* match with the Father or not? Did you become a *purusharthi* (the one who makes spiritual effort) equivalent to the Father or not?
Student: I did not.
Baba: You ask because you have not become (equal to the Father).
Student: Nobody has become (equal to the Father).

बाबा- ये मतलब नहीं है कि कोई बना है कि नहीं बना है। वो तो जब नम्बर 1 क्लेयर हो जायेंगे तो जिनके-2 नम्बर 1 क्लेयर होते जायेंगे और जो उस सीट पर सेट हो जायेंगे। पहले नम्बर 1 क्लेयर होता है या पहले सीट पर सेट होते हैं? पहले नम्बर 1 क्लेयर हो फिर अपनी

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

सीट पर सेट हो जाए। सेट हो जाने के बाद बाप समान स्टेज होगी। बाप समान स्टेज होगी तो स्वभाव, संस्कार सब बाप समान होंगे। संकल्प भी बाप समान होंगे। उसको कहा जाता है भक्तिमार्ग में बूंद सागर में मिल गए। समा गई। आत्मा परमात्मा में लीन हो गई। एक भी संकल्प विरोधी नहीं चलेंगे।

Baba: It is not the question whether someone [else] has become (equal to the Father) or not. When the numbers are declared; the number of whichever person is declared, he will become set on that seat. Is the number declared first or does someone become set on the seat first? First the number should be declared then he should become set on his seat. After he becomes set, his stage will become equal to the Father. If the stage is equal to that of the Father, then the nature, *sanskar*, everything will become equal to the Father. Even the thoughts will be equal to the Father. For that it is said in the path of *bhakti* 'a drop mixed with [or] merged into the ocean. The soul merged with the Supreme Soul.' Not even a single thought will be opposite [to the Father].

जिज्ञासु- इसमें विरोधी संकल्प किधर है?

बाबा- प्रश्न कहाँ से पैदा होता है?

जिज्ञासु- बाहर की दुनियाँ में हैं तो प्रश्न तो पैदा होंगे ही।

बाबा- तो बाहर की दुनियाँ में क्यों हैं? अंदर की दुनियाँ में, बाप की याद में बुद्धि रखो ना। किसने मना किया?

Student: Is there any opposite thought involved in this [whatever I am asking]?
Baba: Then, how does a question arise?
Student: When we live in the outside world, questions are bound to arise.
Baba: So, why do you live in the outside world? Focus your intellect on the inside world, in the remembrance of the Father. Who has stopped you from doing so?

जिज्ञासु- बाबा, कोई चीज जानने की जिज्ञासा है तो भी तो होता है कि.....

बाबा- जिज्ञासा है माना पूर्व जन्मों का काई हिसाब किताब है ना और आत्माओं के साथ जो संकल्प का वायब्रेशन टच कर रहा है। अगर बाप का वायब्रेशन हो। मनमनाभव हो जाए आत्मा, तो विरोधी संकल्प अंदर आएगा? नहीं आएगा। मना नहीं करते बाबा। बाबा कहते हैं अगर कोई भी अंदर कचड़ा आता है तो क्या करो? निकाल दो। अगर वो कचड़ा प्रैक्टिकल कर्म में आ जाता है। तो लिखकरके दे दो तो आधा माफ हो जाएगा।

Student: Baba, questions arise even if there is a desire to know something…..
Baba: There is a desire means that there is a karmic account of the past births with other souls because of which the vibrations of thoughts are touching you, aren't they? If there are only the vibrations of the Father, if the soul becomes *manmanabhav* (merges the thoughts with those of the Father), then will any opposite thought emerge in your mind? It will not. (Student: Baba if there is some question.) Baba does not stop. Baba says, 'what should you do if any garbage emerges inside'? Take it out. If that garbage appears in the practical actions, then give it in writing; then half of it will be pardoned.

जिज्ञासु- वार्तालाप ही बंद हो जाएगा बाबा।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबा- कोई आर्टीफिशियल पार्ट बजाए। अंदर से जानता है कि कचड़ा हमारे अंदर आ रहा है। और बाहर से बिल्कुल न पूछे। दिखाए - हम बड़े अच्छे देवता हैं। वो कितने दिन तक चलेगा? ये मधुबन तो है शीशे का महल। इसमें एक-2 आत्मा शीशा है। ये जो मकान वो शीशा नहीं है। जो मधुबन का संगठन है जो चैतन्य ईंटें हैं वो शीशे के मुआफिक हैं हर आत्मा यहाँ शीशे के मुआफिक पार्ट बजाए रही है। ज्ञान दर्पण की तरह शीशा है। एक शीशे के सामने अपने को छुपा लिया, दूसरे के सामने छुपा लिया। अच्छा बहुतों के सामने छुपा लिया। कोई तो दिल का मीत होगा। होगा या नहीं होगा? होगा। तो सबके सामने छुपाए के रखेंगे क्या? क्या सागर का पार्ट हो गया? सागर एक है और बाकी सब हैं नदियाँ और पोखरे। सदैव अंदर नहीं रख सकते। आज नहीं तो कल असली चेहरा बाहर आवे, नकली सूरत छुपी रहे। कितना भी छुपाने की कोशिश करें। ऐसी स्थितियाँ परिस्थितियाँ आयेंगी कि मुख से निकल पड़ेगा नहीं तो भूत-प्रेत आत्मा प्रवेश करके मुख से निकाल लेगी। इसीलिए मुरली में बोला है। इस ब्राह्मण परिवार में कोई का भी कुछ भी छुपा हुआ नहीं रहेगा।

Student: In that case discussion itself will stop Baba.

Baba: If someone plays an artificial part, he knows there is garbage inside him. And from outside, he does not ask, he shows that he is a very good deity. How long will it continue? This *madhuban* is a glass house; every soul in it is a glass. This house (building) is not a glass (house). The gathering of *madhuban*, the living bricks are like glasses; every soul is playing a part like glass here. The glass is like the mirror of knowledge. Someone hides himself in front of one mirror; he hides himself in front of a second mirror. OK, he hides himself in front of many (mirrors). There must be some close friend! Will there be (a close friend) or not? There will be. So, will he be able to hide it from everyone? Can he play the part of an ocean? Ocean is one and the remaining are rivers and ponds. They cannot keep it inside them forever. If not today, tomorrow, the true face may come out; the false face cannot remain hidden. To whatever extent someone may try to hide, such circumstances will emerge that it will come out of the mouth; otherwise, a ghostly soul will enter and make him speak (the truth). This is why it has been said in the Murli, nothing of anyone can remain hidden in this Brahmin family.

जिज्ञासु- जब आत्मा ही परमात्मा में मिल जायें तो कहाँ से छुपे रहेंगे।

बाबा- तो मिल जायें ना संकल्प एक हो जायें ना। मिल जाने का मतलब क्या हुआ? जो परमात्मा बाप का संकल्प सो बच्चे का संकल्प। फिर विरोधाभास कहाँ से आएगा? विपरीत संकल्प, प्रश्न कहाँ से पैदा होगा? तो छुपाने की बात नहीं है। अगर छुपाने की बात होती। छुपाने से चल जाए तो बाबा क्यों कहते हैं कि प्रश्न अंदर आता है तो ज़रूर पूछो। कल क्लियर क्यों हो, आज ही क्लियर कर लो।

Student: When the soul merges with the Supreme Soul, then how can they remain hidden?

Baba: So, let them merge; let their thoughts merge. What is meant by merger? Whatever the thought of the Supreme Soul Father should be the thought of the child. Then, how will the contradiction emerge? How will opposite thoughts, questions emerge? So, there is no question of hiding (here). If there is anything to hide; if it can be solved by hiding

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

(something), then why does Baba say, 'if any question emerges in your mind, then ask. Why do you want it to be clarified tomorrow? Get it clarified today itself'.

समय: 1.03.25-1.05.15

जिज्ञासु- बाबा, ज्ञान लेने के पहले लौकिक जीवन में कल कुछ होना है अंतरात्मा से कुछ ऐसा इशारा आता है कि ये बात नहीं करना है। तो जैसे परमात्मा बताते हैं कि भविष्य में ऐसा होने वाला है तो आत्मा को ऐसा इशारा आता है कि ऐसा नहीं करना है। उसकी विशेषता क्या है?

Time: 1.03.25-1.05.15
Student: Baba, before obtaining knowledge, in the *lokik* life, the subconscious mind has some intuition that something is going to happen the next day; 'I should not do this'. So, just as the Supreme Soul says that this is going to happen in future. So, a soul has this intuition that it should not do such and such a thing. What is its specialty?

बाबा- विशेषता ये है कि बाप के संकल्पों से आत्मा के संकल्प समान सरणी में चल रहे हैं माना उस आत्मा का बीच-2 में कहीं न कहीं गहरा संबंध परमात्मा बाप के पार्ट से रहा है तब ही समान संकल्प आते हैं। ए□वान्स पार्टी में ऐसे बहुत से बच्चे हैं जब बेसिक ज्ञान में चलते थे तो उनके अंदर वही-2 प्रश्न आते थे जिनका हल ए□वान्स ज्ञान में हो रहा है। लेकिन मुख से निकाल नहीं पाते थे क्योंकि उनका पार्ट नहीं है। इससे क्या साबित होता है कि पूर्व जन्मों का हिसाब-किताब है या नहीं है? पूर्व जन्मों का हिसाब-किताब सुप्रीमसोल बाप के साथ नहीं है लेकिन जो मनुष्य सृष्टि का बाप है उसके साथ पूर्व जन्मों का हिसाब-किताब है। विचार सरणी मिलती रही है। इसीलिए ऐसे संकल्प आते हैं।
Baba: The specialty is that the thoughts emerging in the soul are in line with the thoughts of the Father; it means that that soul has had a deep relationship with the part of the Supreme Soul Father somewhere or the other; only then thoughts like that emerge. There are many such children in the advance party; when they used to follow the basic knowledge, such questions used to emerge in their minds repeatedly for which they are getting answers in the advance party now. But they were not able to ask those questions (there in BK) because they did not have a part. What does it prove? Is there a karmic account of the past birth or not? There is no karmic account of past births with the Supreme Soul Father, but there is a karmic account of past births with the father of the human world. The thoughts have been matching. This is why such thoughts emerge.

समय: 1.05.21-1.06.50

जिज्ञासु- बाबा, जो लास्ट आत्मा परमधाम से उतरेगी तो उसको समझने तक का जब टाईम है तो उसको उतना बड़ा शरीर होना चाहिए ना।

बाबा- शरीर से कोई कनेक्शन थोड़े ही है आत्मा के सोच विचार का।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासु- नहीं बाबा जैसे आखरी में आई। अंत समय में लास्ट में आई तो समझेगी कि दुनिया में ऐसा हो रहा है।

बाबा- यहाँ ऐसे-2 ए□वान्स पार्टी में, बम्बई में ही ऐसे बच्चे हुए हैं। शरीर में इतने (बाबा ने हाथों से दिखाया)। क्या? कुर्सी पर बैठा दो, देखने में कितने आयेंगे? इतने। और बुद्धि उनकी बड़ी चौड़ी उनसे अच्छा खासा ए□वान्स का भाँती जो है उनसे बात भी नहीं कर सकता। तो शरीर से मतलब नहीं है। काहे से मतलब है? बुद्धि से मतलब है। शरीर तो पूर्व जन्मों के हिसाब-किताब के कारण भले लुंजुम-पुंजुम छोटा शरीर मिल गया है। वो शरीर छूट जाएगा तो सालिम शरीर मिलेगा।

Time: 1.05.21-01.06.50
Student: Baba, the last soul that will descend from the Supreme Abode; the time that it takes to understand; so, it requires a grown-up body, does it not?
Baba: There is no connection between the thoughts of a soul with the body.
Student: No, Baba, for example a soul comes in the last period. If it comes in the end, in the last, then how will it understand this is happening in the world?
Baba: There have been such children in the advance party, in Bombay itself. Their body is so small (Baba showed with his hands). What? If you make them sit on the chair; how will they appear? So small. And their intellect is so broad that a grown-up member of the advance party cannot even speak to him. So, it does not have any connection with the body. To what is it connected? It is connected with the intellect. Because of the karmic account of the past birth, he may have got a weak, small body. When he leaves that body, he will get a healthy body.

जिज्ञासु- बाबा मेरे कहने का मतलब है कि ड्रामा की बात आखिर वो भी तो समझेगी।

बाबा- क्या समझेगी?

जिज्ञासु- यही कि इस दुनियाँ में जो हो रहा है इससे अच्छा तो परमधाम में ही रहना है।

बाबा- नहीं। वो तो आत्मायें वो समझेंगी जो परमधाम में लम्बे समय तक पड़ी रहती हैं। लम्बे समय तक जो पड़ी रहती हैं उनके अंदर ये संकल्प पक्का होता रहता है कि हमें नहीं चाहिए। क्यों? क्योंकि जब आदमी जब बहुत दुखी हो जाता है तो कहता है कि ये झंझट ही छूटे। और जब समझ में आ जाता है। तो कहता है झंझट छूटे नहीं। जब झंझट छूट जाता है। जब आदमी को बहुत दुख मिलता है, शरीर में बहुत तकलीफ होती है तो सोचता है प्राण छूट जाए। लेकिन खुदा न ख्वास्ता प्राण न छूटे और वो ठीक हो जाए। तो बाद में इच्छा पैदा होती है कि नहीं? होती है ना? तो ऐसे ही है।

Student: I mean to say that ultimately it will also understand the drama.
Baba: What will it think?
Student: It will think that it is better to live in the Supreme Abode than to see whatever is happening in this world.
Baba: No, only those souls will think like that who lie in the Supreme Abode for a long time. The thought that we do not want (anything) continues to become firm in the minds of those

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

souls which lie there for a long time. Why? It is because when a person becomes very sorrowful, then he says, 'I should become free from this trouble'. And when he understands he says, 'I should not become free from this trouble'. When he becomes free from the troubles, when a person gets a lot of sorrows, when there is a lot of pain in the body, then he thinks that he should leave the body. But by chance if he does not die and becomes well, then do desires emerge in his mind later on or not? They do emerge, don't they? So, it is like this.

……..……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info